NASVI
www.nasvinet.org

Strengthening Vendor Rights and Advocacy

Advocating for Vendors Through National and Global Forums

Skilling & Entrepreneurship Support

NASVI's flagship National Street Food Festival

Financial Empowerment of Vendors

फुटपाथ की आवाज़

FOOTPATH Ki AWAAZ

फुटपाथ की आवाज़

MAY EDITION

https://nasvinet.org/

इस अंक में

'फुटपाथ की आवाज़' के बारे में

पृष्ठ संख्या: 03

पटना: स्ट्रीट वेंडरों के सशक्तिकरण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला

पृष्ठ संख्या: 04-05

दिल्ली हाई कोर्ट का महत्वपूर्ण आदेश

पृष्ठ संख्या: 06

देशभर से खबरें

पृष्ठ संख्या: 07-10

मुज़फ्फरपुर: स्ट्रीट वेंडरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

पृष्ठ संख्या: 11-12

छोटे रेस्तरां संचालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

पृष्ठ संख्या: 13

फुटपाथ की आवाज़ के बारे में

प्रिय मित्रों,

NASVI की शुरुआत के बाद, हमने 'फुटपाथ की आवाज़' नाम से एक मासिक न्यूज़लेटर पत्रिका शुरू की, जिसने जानकारी फैलाने और पूरे भारत से स्ट्रीट वेंडर संगठनों को एक साथ लाने में अहम भूमिका निभाई। असल में, इस न्यूज़लेटर ने स्ट्रीट वेंडरों के आंदोलन को खड़ा करने में भी मदद की, जिसके चलते 2004 में 'शहरी स्ट्रीट वेंडरों पर राष्ट्रीय नीति' पारित हुई और आखिरकार 2014 में 'स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट' बना।

कानून और PMSVANidhi को लागू करने के अनुभवों ने एक बार फिर से एक-दूसरे के साथ जानकारी साझा करने और सीखने की ज़रूरत को सामने ला दिया है। हालाँकि, डिजिटल क्रांति को देखते हुए, हमने अब इसे डिजिटल रूप में रखने और हर महीने यह न्यूज़लेटर निकालने का फ़ैसला किया है। उम्मीद है कि आपको यह पसंद आएगा।

कृपया बेझिझक अपनी राय (फ़ीडबैक) हमारे साथ साझा करें।

एकजुटता के साथ,
अरबिंद सिंह
राष्ट्रीय समन्वयक, NASVI

पटना में स्ट्रीट वेंडरों के सशक्तिकरण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित

1 मई 2026 को पटना स्थित नासवी कार्यालय में “स्ट्रीट वेंडरों की वर्तमान स्थिति और सशक्तिकरण” विषय पर एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पटना नगर निगम की महापौर सीता साहू, उपमहापौर रश्मि चंद्रवंशी और नासवी के राष्ट्रीय समन्वयक अरविंद सिंह ने किया।

सभा को संबोधित करते हुए महापौर ने स्ट्रीट वेंडरों की समस्याओं के समाधान और प्रत्येक वार्ड में वेंडिंग ज़ोन विकसित करने के लिए नगर निगम की प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, उपमहापौर ने वेंडरों की कार्य परिस्थितियों में सुधार के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

अरविंद सिंह ने स्ट्रीट वेंडरों के कल्याण के लिए नासवी के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि देशभर में लगभग 30 लाख वेंडिंग प्रमाणपत्र (Certificate of Vending) जारी किए जा चुके हैं और पीएम स्वनिधि योजना के तहत करीब 10 लाख वेंडरों को लाभ मिला है।

कार्यक्रम के दौरान राज्य में स्ट्रीट वेंडरों की स्थिति पर आधारित पुस्तक **“बिहार में पथ विक्रेता”** का भी विमोचन किया गया।

इस अवसर पर स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम के 11 वर्ष पूरे होने पर “फुटपाथ की आवाज़” पत्रिका के पुनर्प्रकाशन की घोषणा की गई। साथ ही, “स्ट्रीट साथी” मोबाइल ऐप की जानकारी साझा की गई, जिसके माध्यम से वेंडर अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं और सदस्यता संबंधी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया और पीएम स्वनिधि योजना के तहत उपलब्ध ऋण सुविधाओं की जानकारी दी।

दिल्ली हाई कोर्ट से स्ट्रीट वेंडरों को राहत

नासवी और अन्य स्ट्रीट वेंडरों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने 19 मई 2026 के अपने आदेश में कहा कि अनंतिम वेंडिंग प्रमाणपत्र (Provisional Certificate of Vending - CoV) धारक वेंडरों को टाउन वेंडिंग कमेटियों (TVCs) के अंतिम निर्णय तक न तो हटाया जा सकता है, न उन्हें वेंडिंग करने से रोका जा सकता है और न ही अनावश्यक रूप से परेशान किया जा सकता है।

अदालत ने माना कि अंतिम वेंडिंग प्रक्रिया, जिसमें अंतिम वेंडिंग प्रमाणपत्र जारी करना, टाउन वेंडिंग कमेटियों का गठन और वेंडिंग ज़ोन की घोषणा शामिल है, अभी पूरी नहीं हुई है। आदेश में यह भी कहा गया कि मोबाइल, स्थायी और दिव्यांग वेंडरों सहित सभी श्रेणियों के वेंडरों के हितों पर निष्पक्षता से विचार किया जाए। साथ ही, स्वच्छता और कानूनसम्मत वेंडिंग व्यवस्था के महत्व पर भी जोर दिया गया।

देशभर से खबरें

PUNE

दुहेरा सकटामुळ पथावक्रता अडचणात

उष्णतेची लाट आणि व्यावसायिक गॅस सिलिंडरची वाढ यामुळे बसतोय दुहेरी फटका

पुणे : शहरातील पथ विक्रेत्यांसाठी सध्याची परिस्थिती अत्यंत आव्हानात्मक आहे. उष्णतेची लाट आणि व्यावसायिक गॅस सिलिंडरच्या किमतीत झालेली आतापर्यंत सर्वांत मोठी वाढ, या दुहेरी संकटाचा फटका लहान व्यावसायिकांना पथ विक्रेत्यांना बसत आहे, ज्यामुळे व्यवसाय परवडणे कठीण झाले आहे. त्यामुळे किमान कारवाई तरी थांबवा अशी मागणी पथ विक्रेता समितीच्या वतीने दीपक मोहिते यांनी केली आहे.

दि. १ मे रोजी व्यावसायिक

अनेक छोट्या व्यावसायिकांच्या हातगाड्या स्टॉलचे व्यवसाय ५० टक्क्यांनी कमी झाले आहेत. महागड्या दराने सिलिंडर खरेदी करून व्यवसाय सुरू ठेवल्यास नफ्याचे प्रमाण अत्यंत कमी झाले आहे. तीव्र उन्हामुळे ग्राहकांची संख्या कमी झाली असून, विक्रेत्यांना आरोग्याच्या समस्यांना तोंड द्यावे लागत आहे. वडापाव, चहा, पोहे यांसारख्या पदार्थांच्या किमतीत वाढ करावी लागते आहे, ते ग्राहकांसाठी कसे परवडणारे ठरेल असा विचारही पथविक्रेते करीत आहेत.

असेल तेव्हाच (संध्याकाळी) दुकान उघडणे सोईचे वाटते आहे. व्यावसायिक सिलिंडरचा पुरवठा विस्कळीत झाल्यामुळे काळाबाजार होत असून, काही ठिकाणी सिलिंडरची किंमत ४००० पेक्षा जास्त झाली आहे. ही किंमत नियंत्रित करण्यासंदर्भात व व्यावसायीक सिलिंडरचा पुरवठा सुरळीत होणेसंदर्भात, नॅशनल असोसिएशन ऑफ स्ट्रीट व्हेंडर इंडियाच्या पुणे विभागाने व पथ विक्रीचे एकता समिती यांच्या वतीने यासंदर्भात जिल्हाधिकारी यांना निवेदने दिली आहेत.

पुणे के स्ट्रीट वेंडर भीषण गर्मी और व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की बढ़ती कीमतों के कारण आजीविका संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ग्राहकों की संख्या में कमी और बढ़ती परिचालन लागत के चलते कई वेंडरों को अपने काम के घंटे कम करने पड़े हैं। वहीं, वेंडर संगठनों ने गैस की कीमतों को नियंत्रित करने और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

PATNA

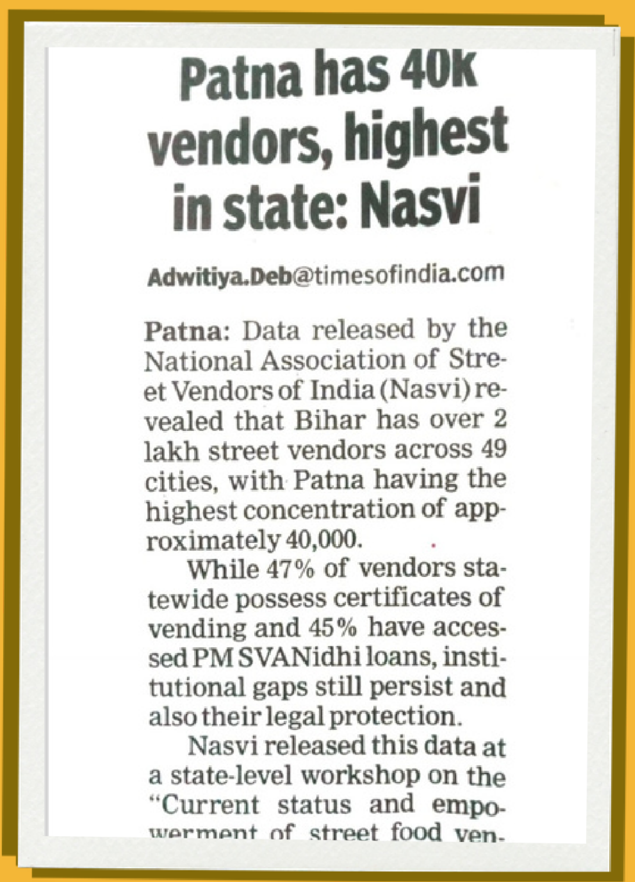

Patna has 40K vendors, highest in state: Nasvi

Adwitiya.Deb@timesofindia.com

Patna: Data released by the National Association of Street Vendors of India (Nasvi) revealed that Bihar has over 2 lakh street vendors across 49 cities, with Patna having the highest concentration of approximately 40,000.

While 47% of vendors statewide possess certificates of vending and 45% have accessed PM SVANidhi loans, institutional gaps still persist and also their legal protection.

Nasvi released this data at a state-level workshop on the "Current status and empowerment of street food ven-

नासवी के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 40,000 स्ट्रीट वेंडरों के साथ पटना बिहार का सबसे बड़ा स्ट्रीट वेंडिंग केंद्र बनकर उभरा है। हालांकि, कई वेंडरों को वेंडिंग प्रमाणपत्र (Certificate of Vending) और पीएम स्वनिधि योजना का लाभ मिला है, फिर भी संस्थागत सहयोग और कानूनी संरक्षण से जुड़ी चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं।

RISHIKESH

बाबा काली कमली बगीचे के समक्ष दिया जाए वेंडिंग जोन

एम्स के समीप रेहड़ी ठेली लगाने वाले दुकानदारों ने मेयर से लगाई गुहार

ऋषिकेश, संवाददाता। एम्स के समीप रेड़ी ठेली लगाने वालों ने स्टर्डिया आवास विकास की तरफ वेंडिंग जोन दिए जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने बाबा काली कमली बगीचे के समक्ष ही वेंडिंग जोन देने की मांग की।

बुधवार को एम्स ऋषिकेश के समीप रेड़ी ठेली लगाने वाले लोगों ने नगर निगम कार्यालय में मेयर शंभू पासवान से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मेयर से कहा कि वे लोग बीते

लगाकर अपना व्यवसाय कर रहे हैं। जिससे उनके परिवारों की रोजी रोटी चल रही है। लेकिन अब कई महीनों से उन्हें यहां से हटाने की कोशिश की जा रही है। इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन द्वारा उन्हें आवास

एम्स ऋषिकेश के आसपास वर्षों से कारोबार कर रहे स्ट्रीट वेंडर बेदखली और अपने मौजूदा स्थानों से हटाए जाने के दबाव का सामना कर रहे हैं। वेंडरों का कहना है कि उन्हें दूरस्थ स्थानों पर स्थानांतरित करने से उनकी आजीविका पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम, 2014 के प्रावधानों के अनुरूप मौजूदा क्षेत्र के पास ही उपयुक्त वेंडिंग ज़ोन विकसित करने की मांग की है।

पर्यटन सीज़न के दौरान मसूरी के स्ट्रीट वेंडरों ने मांगा सहयोग

मसूरी में पर्यटन सीज़न के दौरान स्ट्रीट वेंडरों को आ रही चुनौतियों पर चर्चा के लिए नासवी कार्यालय में रेहड़ी-पटरी कमजोर वर्ग कल्याण समिति, मसूरी के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक के बाद संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजकर वेंडरों की आजीविका की सुरक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान और मसूरी में उपयुक्त वेंडिंग ज़ोन विकसित करने के लिए हस्तक्षेप की मांग की गई।

UPDATE

हैदराबाद: स्ट्रीट वेंडरों के उत्पीड़न के मुद्दे पर असदुद्दीन ओवैसी ने किया हस्तक्षेप

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के आसपास काम करने वाले स्ट्रीट वेंडरों ने बार-बार होने वाले उत्पीड़न और बेदखली को लेकर चिंता जताई, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है।

वेंडरों की शिकायतों के बाद असदुद्दीन ओवैसी ने मामले में हस्तक्षेप किया और शहर के संबंधित अधिकारियों के समक्ष इस मुद्दे को उठाते हुए न्यायसंगत समाधान की मांग की।

HARIDWAR

अतिक्रमण के नाम पर शोषण व उत्पीड़न के विरोध में लघु व्यापारियों का प्रदर्शन

2 मई से अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

हरिद्वार में स्ट्रीट वेंडरों और छोटे व्यापारियों ने अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान हो रहे उत्पीड़न और बेदखली के विरोध में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया। वेंडरों ने अपने वेंडिंग अधिकारों की सुरक्षा, उचित वेंडिंग स्थलों के आवंटन तथा स्ट्रीट वेंडर्स (आजीविका संरक्षण एवं सड़क विक्रय विनियमन) अधिनियम, 2014 के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग की।

बेदखली अभियान के दौरान वाराणसी के वेंडर हिरासत में लिए गए

वाराणसी के दशाश्वमेध क्षेत्र में स्ट्रीट वेंडरों को एक बार फिर बेदखली अभियान का सामना करना पड़ा। इस दौरान वेंडरों के कुछ प्रतिनिधियों को हिरासत में लिए जाने से स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम, 2014 के क्रियान्वयन को लेकर सवाल खड़े हुए।

विरोध प्रदर्शन और हस्तक्षेप के बाद हिरासत में लिए गए प्रतिनिधियों को अगले दिन रिहा कर दिया गया, लेकिन बार-बार होने वाली ऐसी कार्रवाइयों को लेकर वेंडरों की चिंताएँ अब भी बनी हुई हैं।

बेदखली की कार्रवाइयों के खिलाफ जोधपुर में कानूनी लड़ाई

स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम, 2014 के तहत मिले कानूनी संरक्षण के बावजूद जोधपुर के स्ट्रीट वेंडर बेदखली और उत्पीड़न की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। स्थिति को लेकर चिंता जताते हुए नासवी ने प्रभावित वेंडरों को समर्थन दिया।

अपनी आजीविका के अधिकारों की रक्षा और अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग को लेकर वेंडरों ने अदालत का रुख किया। इसके बाद अदालत ने वेंडरों के खिलाफ किसी भी प्रकार की जबरन कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है।

नोएडा में साप्ताहिक बाज़ारों के ठेकेदारी प्रबंधन का नासवी ने किया विरोध

नासवी ने नोएडा में साप्ताहिक बाज़ारों के प्रस्तावित ठेकेदारी प्रबंधन पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस तरह की व्यवस्था स्ट्रीट वेंडरों की आजीविका सुरक्षा और स्वायत्तता के लिए खतरा बन सकती है।

संगठन ने जोर देकर कहा कि साप्ताहिक बाज़ार सामुदायिक आजीविका के महत्वपूर्ण केंद्र हैं और उनका संचालन स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम, 2014 के प्रावधानों के तहत होना चाहिए। नासवी ने संबंधित अधिकारियों से वेंडरों के अधिकारों की रक्षा करने तथा बाज़ारों के प्रबंधन में सहभागितापूर्ण और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

हस्तक्षेप के बाद करोल बाग के वेंडरों को मिले वेंडिंग प्रमाणपत्र

करोल बाग ज़ोन में वेंडिंग प्रमाणपत्र (CoV) के वितरण और टाउन वेंडिंग कमेटी (TVC) चुनाव प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर नासवी द्वारा किए गए हस्तक्षेप के बाद अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई की। पत्र भेजे जाने के कुछ ही घंटों के भीतर वेंडरों को सूचित किया गया कि वे अगले दिन अपने वेंडिंग प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हैं। यह वेंडरों के अधिकारों को औपचारिक मान्यता दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वेंडिंग प्रमाणपत्र धारकों ने उत्पीड़न से सुरक्षा की मांग की

वसंत कुंज कार मार्केट के अनंतिम वेंडिंग प्रमाणपत्र (CoV) धारक स्ट्रीट वेंडरों ने स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम, 2014 के तहत कानूनी संरक्षण मिलने के बावजूद बेदखली की धमकियों और उत्पीड़न को लेकर चिंता जताई।

नासवी ने इस मामले में लोक निर्माण विभाग (PWD) को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप करने और वैध वेंडरों के आजीविका अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

UPDATE

मुज़फ्फरपुर में 'सर्व सेफ फूड' अभियान की शुरुआत

नासवी ने Nestlé India के सहयोग से बिहार के मुज़फ्फरपुर में प्रोजेक्ट सर्व सेफ फूड के तहत स्ट्रीट फूड वेंडरों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

इस पहल का उद्देश्य वेंडरों के बीच सुरक्षित खाद्य प्रबंधन और स्वच्छ वेंडिंग प्रथाओं को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए Dr Raj Bhushan Choudhary ने इस पहल की सराहना की और वेंडिंग ज़ोन के विकास के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने स्थानीय आजीविका में स्ट्रीट फूड वेंडरों के महत्वपूर्ण योगदान को भी रेखांकित किया।

लगभग 100 स्ट्रीट फूड वेंडरों को सुरक्षित खाद्य प्रबंधन और स्वच्छ वेंडिंग प्रथाओं पर प्रशिक्षण दिया गया।

नासवी की नई पहल: छोटे रेस्तरां संचालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

बेंगलुरु

‼
Ensure Space for Street Vendors,
Declare Vending Zones.

GET OUR NEWSLETTER

DELHI ADDRESS

406, 4th Floor, Ansal Chambers-II, Bhikaji Cama Place, New Delhi-110066

FOR FEEDBACK

office@nasvinet.org

Tel, +91 98359 24007

FOLLOW US

@nasviindia nasviiindia

@NasviIndia @NASVI-India

फुटपाथ की आवाज़

THANK YOU FOR READING!